भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

आज़ादी का अमृत महोत्सव

खण्ड–XXVII अंक–16 31 अगस्त, 2022

उघरहिं बिमल बिलोचन ही के। मिटहिं दोष दुख भव रजनी के।।
सूझहिं राम चरित मनि मानिक। गुपुत प्रगट जहँ जो जेहि खानिक।।

उसके हृदय में आते ही हृदय के निर्मल नेत्र खुल जाते हैं और संसार रूपी रात्रि के दोष–दुःख मिट जाते हैं एवं श्री रामचरित्र रूपी मणि और माणिक्य, गुप्त और प्रकट जहाँ जो जिस खान में है, सब दिखाई पड़ने लगते हैं।

श्रीरामचरितमानस (बालकाण्ड) / 4

सम्पादकीय

संस्थान में यह महीना अत्यन्त रंगीन, रोचक व सार्थक रहा। प्रथम सप्ताह में नये विद्यार्थियों का आगमन, चहकते–मुस्कराते युवामन..... । 4 अगस्त को CRDT द्वारा "Tech 4 Sera" कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण आबादी को उच्च शिक्षण संस्थानों से जोड़ने की एक सजग पहल..... । इसके बाद नेशनल साइंस फाउंडेशन (USA) के निदेशक डॉ. सेतुरमन पंचनाथन के जोशीले भाषण "Innovation somewhere and opportunity everywhere" ने विद्यार्थियों के मन में नई ऊर्जा व उत्साह का संचार किया।

इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यन्त अलग व भव्य रहा। शायद यह 'आजादी का अमृत महोत्सव' का प्रभाव था। डोगरा हाल में उत्साहवर्द्धक माहौल में कार्यक्रम प्रारम्भ, कुशाग्र वर्मा का उत्कृष्ट संयोजन. ...। नर्सरी स्कूल, केन्द्रीय विद्यालय, BRCA के विद्यार्थियों की अदभुत प्रस्तुति. ..... । एक छोटी बच्ची द्वारा गीत..... "सारे जहां से अच्छा..... । मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना....." ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। हिन्दी समिति के विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित कविता पाठ राष्ट्रभाव की एक अमिट छाप छोड़ गया। निदेशक महोदय प्रो. रंगन बनर्जी के संक्षिप्त व सारगर्भित उद्बोधन में नया दिशा–निर्देश समाया रहा।

16 अगस्त Public Systam Lab का केन्द्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा उद्घाटन..... । वास्तव में यह प्रयोगशाला, Sustainable food system, परिवहन आदि के क्षेत्र में नये समाधान प्रस्तुत करेगी, ऐसी आशा है।

19 अगस्त, जन्माष्टमी पर्व–Covid-19 के कारण 2 वर्ष बाद नीलकंठ जगमगा उठा। अन्तिम सप्ताह में IITD Alumni Assocation द्वारा आयोजित "वेदान्त महोत्सव" (आचार्य प्रशान्त जी) से डोगरा हाल नई आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा।

आइए मिलकर उपरोक्त से मिले सार्थक नवसंदेश को आगे बढ़ाने का प्रयास करें!

-डॉ. नीरज चौरसिया एवं प्रो. सन्तोष सत्या

स्वागत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-4/65853 दिनांक 12.8.2022 के अनुसार **प्रो. (सुश्री) सुमा सुब्रामणियम अत्रेय** ने 8.8.2022 से संस्थान के स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/U-5/2022/62131 दिनांक 12.8.2022 के अनुसार **डॉ. नितिश कुमार** ने 28.7.2022 से संस्थान के अनुप्रयुक्त यांत्रिकी विभाग में 1 वर्ष की अवधि के लिए पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

Hindijournal@gmail.com

NRCVEE को राष्ट्र पटल पर सम्मान

AICTE द्वारा ऋषिराज गौड़ उत्कृष्ट पुरस्कार प्रारम्भ

NRCVEE के एक संस्थापक सदस्य **स्व. प्रो. ऋषिराज गौड़** के द्वारा देश में सार्वभौमिक मानव मूल्यों पर आधारित शिक्षा के क्षेत्र में किये गये बृहद कार्य को आगे ले जाने के लिये उपरोक्त पुरस्कार की AICTE द्वारा स्थापना की गयी है।

इस पुरस्कार का प्रमुख उद्देश्य देशभर के AICTE से मान्यता प्राप्त संस्थानों को मूल्य आधारित शिक्षा एवं जीवन शैली हेतु कार्य करने के लिये प्रेरित करना, प्रोत्साहित करना और उसका समर्थन करना है।

इस प्रयास में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के लिये पुरस्कार प्राप्त करने वाले तीन संस्थानों को AICTE की विद्यार्थी क्लब योजना SPICES-"Scheme for Promoting Interests, Creativity and Ethics among Students" (विद्यार्थियों के बीच रचनात्मकता और नैतिकता को बढ़ावा देने हेतु योजना) भी एक वर्ष के लिये आबंटित की जायेगी।

बधाई (पदोन्नति)

स्थापना अनुभाग–1 से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार निम्नलिखित संकाय सदस्यों को उनके नाम के आगे दिए गए पद के लिए चयनित/पदोन्नत किया गया है–

संकाय सदस्य का नाम	पिछला पदनाम	नया पदनाम	विभाग/केन्द्र	वेतनमान
प्रो. (सुश्री) रितिका सुभाष खेरा	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	मानविकी एवं समाज विज्ञान	1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)
प्रो. गुफरान सयैद खान	सह प्रोफेसर	प्रोफेसर	सेन्स (SeNSE)	1,59,100–2,20,200 (लेवल–14ए)

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 अगस्त, 2022 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–

श्री सुरेश कुमार गोहर (26378), सहायक कुलसचिव, अकादमिक अनुभाग

श्री सुरेश कुमार गोहर ने 10 मई, 1995 को संस्थान में सहायक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 मई, 1998 में आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में मैप किया गया तथा 1 जून, 2007 को इसी योजना के अन्तर्गत अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 10 मई, 2015 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। 11 जनवरी, 2018 को सीमित विभागीय परीक्षा (LDE) के अन्तर्गत आपको सहायक कुलसचिव के रूप में नियुक्त किया गया। मिलनसार स्वभाव के श्री सुरेश कुमार गोहर एक योग्य, मेहनती एवं कर्तव्यपरायण सहायक कुलसचिव रहे हैं।

श्री मनमोहन सिंह (25075), कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक, निर्माण संगठन

श्री मनमोहन सिंह ने 25 जून, 1985 को संस्थान में मैकेनिक 'सी' के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 जुलाई, 1993 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ मैकेनिक के रूप में चयनित किया गया। 1 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अंतर्गत आपको मैकेनिक के रूप में मैप किया गया तथा 1 जुलाई, 2005 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक के रूप में पदोन्नत/पुनःपदनामित किया गया। 26 जून, 2015 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। श्री मनमोहन सिंह एक मेहनती एवं कर्मठ कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक रहे हैं।

श्री चन्द्रमा शर्मा (25727), कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक, केन्द्रीय कार्यशाला

श्री चन्द्रमा शर्मा ने 4 मई, 1989 को संस्थान में वरिष्ठ मैकेनिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 जून, 1997 में आपको आर. सी.डी.एस. के अन्तर्गत वरिष्ठ मैकेनिक (प्र.को.) के रूप में चयनित किया गया तथा 1 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अंतर्गत आपको कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक के रूप में मैप/पुनःपदनामित किया गया। 1 सितम्बर, 2008 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक के रूप में पुनःपदनामित किया गया। सौम्य स्वभाव के श्री चन्द्रमा शर्मा कर्मठ एवं कर्तव्यपरायण कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक रहे हैं।

श्री राकेश कुमार गर्ग (25804), कनिष्ठ अधीक्षक, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग

श्री राकेश कुमार गर्ग ने 14 जून, 1991 को संस्थान में प्रवर श्रेणी लिपिक (भण्डार) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 मई, 1998 में आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप किया गया तथा 1 जुलाई, 2003 को इसी योजना के अंतर्गत आपको कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 14 जून, 2011 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। मृदु स्वभाव के श्री राकेश कुमार गर्ग एक मेहनती, योग्य एवं कर्मठ कनिष्ठ अधीक्षक रहे हैं।

श्रीमती अमरजीत कौर (25479), कनिष्ठ अधीक्षक, अनुप्रयुक्त यांत्रिकी इंजीनियरी विभाग

श्रीमती अमरजीत कौर ने 3 जनवरी, 1985 को संस्थान में अवर श्रेणी लिपिक (LDC) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 1 फरवरी, 1993 में आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको प्रवर श्रेणी लिपिक के रूप में चयनित किया गया। 1 मई, 1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप किया गया तथा 1 फरवरी, 2005 को इसी योजना के अंतर्गत कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में

पदोन्नत किया गया। 3 जनवरी, 2015 को एम.ए.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। सौम्य स्वभाव की श्रीमती अमरजीत कौर एक मेहनती एवं योग्य कनिष्ठ अधीक्षक रही हैं।

श्री अमरनाथ (70095), हेल्पर, निर्माण संगठन

श्री अमरनाथ ने 31 मार्च, 1989 को संस्थान में हेल्पर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। आपको 750–940/– रु. के वेतनमान में नियुक्त किया गया। 1 अप्रैल, 1994 को आर. ऐन्ड सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको 800–1150/– 2650–4000/– रु. के वेतनमान में फिटमेन्ट दिया गया। 1 अप्रैल, 2004 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत आपको वेतनमान 3050–4590/– रु. के वेतनमान में उन्नयन दिया गया तथा इसी योजना के अन्तर्गत 1 अप्रैल, 2014 को पुनः उन्नयन दिया गया। श्री अमरनाथ एक योग्य एवं मेहनती हेल्पर रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके एवं उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

हिन्दी पखवाड़ा 14–30 सितम्बर, 2022

संस्थान हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी **'हिन्दी पखवाड़ा'** 14–30 सितम्बर, 2022 मनाने जा रहा है। संबंधित ब्यौरे निम्नानुसार दिए गए हैं।

14.9.2022 (बुधवार) अपराह्न 2.30 से ..... सीनेट रूम	**संस्थान में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए कार्यशाला** (ग्रुप 'ए' अधिकारियों एवं 'बी', 'सी' स्टाफ के लिए)	
19.9.2022 (सोमवार) प्रातः 11:00–12:00 बजे समिति कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय	**हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता** ग्रुप 'बी' स्टाफ सदस्यों के लिए → ग्रुप 'सी' स्टाफ सदस्यों के लिए →	विषयः– **जलवायु परिवर्तन-प्रभाव व समाधान** **आर्गेनिक खेती-आवश्यकता एवं संभावना**
21.9.2022 (बुधवार) प्रातः 11.00–12.00 बजे समिति कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय	**हिन्दी टिप्पणी एवं प्रारूपण प्रतियोगिता** (ग्रुप 'बी' व 'सी' स्टाफ के लिए)	
22.9.2022 (बृहस्पतिवार) प्रातः 11.00–12.00 बजे समिति कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय	**राजभाषा प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता** (ग्रुप 'बी', 'सी' स्टाफ के लिए)	
27.9.2022 (मंगलवार) प्रातः 11.00–12.00 बजे समिति कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय	**वाद–विवाद प्रतियोगिता** (ग्रुप 'ए' अधिकारियों के लिए)	विषयः- **तकनीकी शिक्षा का व्यवसायीकरण**
29.9.2022 (बृहस्पतिवार) अपराह्न 3.30 से 4.30 बजे सीनेट रूम	**स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता** (स्टाफ सदस्य व विद्यार्थीगण)	
29.9.2022 (बृहस्पतिवार) अपराह्न 2.30–5.00 बजे सीनेट रूम	**हिन्दी समारोह** ('जिज्ञासा' का विमोचन, विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कारों की घोषणा)	

कृपया अपने विभाग में कार्यरत सभी अधिकारियों व स्टाफ सदस्यों को इन प्रतियोगिताओं तथा कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कीजिए। उपरोक्त प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक अधिकारियों व स्टाफ सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने नाम/पद नाम/कर्मचारी संख्या/ग्रुप/विभाग का नाम/मोबाइल/ईमेल आदि दिनांक 12 सितंबर 2022 (सायं 5.00 बजे) तक ईमेल : hindijournal@gmail.com पर, तथा प्रतिलिपि (cc) hodhindi@admin.iitd.ac.in पर निश्चिति रूप से भेज दें ।

प्रतियोगिता के नियम

1. **पात्रताः** हिन्दी कक्ष में कार्यरत कर्मचारियों को छोड़कर संस्थान के ग्रुप 'बी' एवं 'सी' श्रेणी के सभी नियमित कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। **गत वर्ष में प्रथम पुरस्कार प्राप्त प्रतियोगी इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते हैं।**
2. **पुरस्कारः** प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः 2500/-रु., 2000/-रु. और 1500/-रु. की राशि का प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।
3. चार प्रतियोगी होने पर केवल दो पुरस्कार (प्रथम एवं द्वितीय) तथा चार से कम प्रतियोगी होने पर केवल एक (प्रथम) पुरस्कार दिया जाएगा।

आजादी का अमृत महोत्सव

आंदोलन का रुख हो सही

सितंबर 1928 के 'किरती' में एक निर्वासित एम. ए. के छद्म नाम से एक क्रांतिकारी लेख प्रकाशित हुआ था। वास्तव में इसे गदर पार्टी के संस्थापक सचिव लाला हरदयाल ने लिखा था.....

दुनिया भर में दर्शनशास्त्रों तथा भ्रातृत्व के उपदेश की सारी उलझनों और मुसीबतों के होते हुए भी एक बात बिल्कुल स्पष्ट रूप से सामने है। वह यह कि दुनिया इस समय अनेक वर्गों में बंटी हुई है। जो मनुष्य इस सच्चाई को नजरअंदाज करता है या जो ईश्वर के बंदों की सच्ची सेवा करना चाहता है वह उस ज्योतिषी के समान है जो कि कोशिश के सिद्धांत तथा सितारों की गर्दिश से अनजान है। खाली, बेवकूफ और निकम्मा है।

इस समय दुनिया में अलग–अलग पार्टियां मौजूद हैं, लेकिन सरसरी निगाह से देखने पर हम दो प्रकार के वर्गों को तो स्पष्ट तौर पर देखते हैं। दुनियाभर में इस वर्ग विभाजन को जताने के लिए तमाम भाषा – बोलियों में अपने–अपने शब्द मौजूद हैं। इनमें एक तो वह जो शारीरिक श्रम करके कुछ अर्जित करता है, जिन्हें मेहनतकश वर्ग में शामिल किया गया है और दूसरा, वह जो मेहनत नहीं करता, यानी खुशहाल वर्ग जो, मेहनत का उपभोग करता है। प्रत्येक मेहनतकश व्यक्ति की यह इच्छा रहती है कि उसका पुत्र उन्नति करे और खुशहाल वर्ग में शामिल हो जाए। जो लोग अनाज, मेवे, सब्जी पैदा नहीं करते, बल्कि इन चीजों का इस्तेमाल करते और खाते हैं, वास्तव में वही बेचारे किसान की मेहनत का लाभ उठाते हैं। लेकिन, जब हम देखते हैं कि खेती करने वाले उस मेहनतकश किसान को इन मुफ्तखोर लोगों की तरह अच्छी खुराक तक नहीं मिलती, तो दिल में ख्याल आता है कि इस व्यवस्था में जरूर कहीं न कहीं धोखा है। यह मसला 'सर्व दर्शन संग्रह' आदि शास्त्रों की 16 प्रकार की फिलासफी पढ़ने से हल नहीं हो सकता।

मनुष्य के विचार आमतौर पर उसके तजुर्बे पर निर्भर हुआ करते हैं और अमीर लोगों को गरीबों की हालत का कुछ भी तजुर्बा नहीं। इनका दायरा अपने ही तक सीमित सरगर्मियों में बहुत तंग होता है। मैं यह लेख केवल इसलिए लिख रहा हूं कि किसान और मजदूर ही हमारे प्यार के हकदार हैं। अंग्रेजी अदब से परिचित लोग कार्लाइल के प्रसिद्ध उसूल को कई बार पढ़ चुके होंगे कि 'मैं केवल दो ही आदमियों की इज्जत और उनसे मुहब्बत करता हूं, किसी तीसरे की नहीं'। इसमें मैं एक कदम और आगे बढ़ता हूं और कहता हूं कि मैं केवल एक आदमी को ही प्यार और इज्जत की निगाह से देखता हूं, किसी दूसरे को नहीं और वह है गरीब मजदूर (किरती), जो दुनिया की दौलत पैदा करता है।

पिछले 30 साल से जो (आंदोलनात्मक) लहरें हिंदुस्तान में उठ रही हैं, उनको निम्नलिखित तीन हिस्सों में बांटा जा सकता है– 1. राजनैतिक, 2. शैक्षिक, 3 धार्मिक। असल में ऐसी (आंदोलनकपी) लहरें तो मध्यम दर्जे के लोगों के दिमाग से ही निकल सकती थीं, क्योंकि वह अपने बच्चों के लिए अच्छी से अच्छी आसामी चाहते हैं वकीलों की आंखें सदा जज की पदवी को तरसती हैं। क्योंकि यह मध्यम वर्ग के लोगों की मांगे हैं, इसलिए उन्होंने मध्यम वर्ग के लोगों को ही मुल्क और कौम समझना आरंभ कर दिया है।

कांग्रेसवाले अक्सर चीखा करते हैं कि पंजाब कौंसिल और असेंबली में हिंदुस्तानियों की गिनती बढ़नी चाहिए। इससे भी आम हिंदुस्तानियों को क्या लाभ हो सकता है ? क्या चुने गए लोग सेवाओं का इनाम नहीं लेते ? क्या सदस्यता के लिए चुने जाना सख्त मुसीबत की जिंदगी ही गुजारना है ? ऐसे सवाल पूछे जाने चाहिए और जवाब भी मिलने चाहिए ।

कौंसिल के असली फायदों का सवाल एक तरफ छोड़कर भी अगर देखें तो नजर आएगा कि यह ख्याल केवल उस जमात के दिमाग में पैदा हो सकता है जिसे इससे कोई लाभ पहुंचने की आशा हो। कौंसिल के लिए कुछेक और वकील एवं साहूकार चुने जाने से करोड़ों मेहनतकश लोगों की जमात में क्या फर्क पड़ सकता है? क्या इन लोगों के टैक्स कम कर दिए जाएंगे? कुछ हिंदुस्तानियों के कौंसिल में चले जाने के साथ तो हम उपरोक्त बातों में कोई जमा–घटा नहीं देखते। हां, कुछेक तालीमवाले लोग इससे रुपया जरूर कमा सकेंगे और उनकी कुछ इज्जत भी बढ़ेगी और वह रोब के साथ इधर–उधर फिर सकेंगे ।

अभी भी कुछ सयाने सज्जन समझते हैं कि यह उन्नति की राह नहीं है, लेकिन वह बेचारे यह नहीं समझते कि ये लहरें कहां उठती हैं और किस तरह बढ़ती हैं, लेकिन सारा ताना–बाना समझ में आ सकता है, यदि वे इतना ही समझ लें कि यह सब कुछ मध्यम दर्जे के लोगों का ही निचोड़ है और किसानों और मजदूरों को इससे कोई लाभ नहीं।

इस तरह हम देखते हैं कि इन लहरों की कामयाबी से मध्यम दर्जे के लोगों को ही लाभ पहुंचता है। उन्होंने कभी बेगार, प्लेग आदि मर्जों के विरुद्ध बंदोबस्त करने की कोशिश नहीं की। न कभी लगान, नमक–टैक्स, आबियाना कम करवाने या लोगों की शिक्षा का ठीक प्रबंध किया है, हालांकि यही जरूरी सवाल हैं जिनके हल हो जाने से जनता को लाभ हो सकता है। बेचारे मजदूर या किसान को सिविल सर्विस या पंजाब कौंसिल से क्या लाभ है ? वह रोटी, आरोग्यता और आजादी चाहता है, लेकिन इस तरफ तो कांग्रेस ने कभी ध्यान ही नहीं दिया। हां, कई सारे जरूरी प्रस्ताव पास कर दिए। सरकार अच्छी तरह समझती है कि इन मध्यम दर्जे के लोगों की वर्ग रुचि क्या है। वह अच्छी तरह जानती है कि यह कुछ मामूली सुधार चाहते हैं जिसके साथ इनकी जमात को लाभ होने की आशा हो। इनको इससे कोई वास्ता नहीं कि गांवों में रहने वाले पर किस तरह की गुजरती है इसी कारण सरकार इन लोगों को कौंसिल और सिविल सर्विसेज आदि में कुछ पद देकर जनता के आंदोलन रोकने के यत्न करती है। इस तरह बड़े–बड़े नेकदिल सच्चे सेवकों की मेहनतें भी मध्यम दर्जे के लोगों के लिए सोना साबित होती हैं, जबकि मजदूरों और किसानों को थोड़ा भी लाभ नहीं पहुंचता।

इस बात को अच्छी तरह समझने के लिए कहूंगा कि खेत–मजदूरों के हकों पर ध्यान दिया जाए। ऐसा करने पर मालूम पड़ जाएगा कि सारे राजनैतिक दल जमींदारों की ओर से जमींदारों के हक के लिए तो जरूर आंदोलन करते हैं, लेकिन खेत–मजदूरों के हकों के लिए आवाज उठाने की कभी हिम्मत नहीं करते, हालांकि हमारे देश में बहुसंख्यक खेत–मजदूर जमींदारों के जुल्मों, टैक्सों और लगान के नीचे पीसे जा रहे हैं।

वह आंदोलन जो अपने कार्यक्रम में इस बात को सबसे पहले सामने नहीं रखते और इसके लिए आंदोलन नहीं करते, वह आम जनता के आंदोलन नहीं कहला सकते। इसलिए हम कांग्रेस को गुनाहगार नहीं ठहरा सकते, क्योंकि वह अपने सदस्यों के अलावा दूसरे लोगों की ओर अधिक ध्यान नहीं दे सकती। जूती न पहननेवाला ही अच्छी तरह समझ सकता है कि पैर में कील किस तरह चुभती है। यह बात किसान ही अच्छी तरह अनुभव कर सकता है कि लगान आदि से आए दिन दुखी होकर जिंदगी किस तरह गुजर रही है।

अंत में इतना ही कहूंगा कि वह नौजवान जो दुनिया में कुछ काम करना चाहते हैं या जो लोग भगवान के हर बंदे की सेवा करने के लिए अपनी कीमती जिंदगियां वक्फ करना चाहते हैं, वे हिंदुस्तानी मजदूरों और किसानों में मिलकर उनकी रुचि समझने की कोशिश करें और उनकी तकलीफें दूर करते हुए उनकी सच्ची उन्नति के लिए आंदोलन करें। मैंने सरसरी निगाह से वर्तमान समय की गतिविधियों के कुछेक प्रमाण देकर एक खास रुचि की ओर इशारा किया है। इसमें कुछेक नेकदिल लोगों को, जो कि इन लहरों में शामिल हैं, नाराज नहीं होना चाहिए। मैं उनकी हमदर्दी और सच्चाई को अनुभव करते हुए भी इस गलती की और उनका ध्यान दिलाना अपना फर्ज समझता हूँ।

साभार–दैनिक जागरण
दिनांक 28.11.2021

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com